Sahaja Yoga Central Commitee of India
(Formed as per instructions given on July 20, 2008 by Mataji Shree Nirmala Devi, after Guru Puja)

Her Holiness Mataji Shree Nirmala Devi
(Founder of Sahaja Yoga)

communications@syccindia.org

सेंट्रल कमेटी ऑफ इंडिया, (सीसीआई) का संप्रेषण/पत्राचार-जून/2020- II

सहज योग का व्यवसायीकरण-I

*परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी, अपनी पुस्तक "सहज योग" के प्रथम अध्याय में हीं लिखती हैं "**ऐसा कोई पैसा हीं नहीं है जिससे इस जीवंत क्रिया का मोल चुकाया जा सके।** यही कारण है कि कई कुगुरु, जो पैसा, पंथ/संप्रदाय और विरोधी पंथ बना रहे हैं, और जो सिर्फ पैसा बनाने के लिए झूठी छवि बनाने की योजना बनाते हैं, यह सब सहज योग के घोर विरोध में है। सहज योग, परमात्मा का शुद्ध प्रेम है, जो जीवंत एवं अमूल्य है। **कुंडलिनी जागरण, या इस क्रिया/उपाय के लिए कोई भी धन नहीं लिया जा सकता।"***

https://www.amruta.org/book-sahaja-yoga/chapter-1-sahaja-yoga/

सहज योग का सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं परिभाष्य सिद्धांत/उसूल है,कि आप आत्म साक्षात्कार या कुंडलिनी जागरण के लिए कोई पैसा नहीं ले सकते। अन्य कुगुरुओं, संप्रदायों एवं श्री माताजी की शिक्षा में,यही मुख्य अंतर है।
श्री माताजी ने कभी भी,किसी भी रूप में सहज योग का व्यवसायीकरण नहीं किया, तथा अपने प्रवचनों में सहज योग के व्यवसायीकरण की भर्त्सना/निंदा की है।

"सबसे पहले हमें सहज योग में यह जानना है, कि हम, इसके माध्यम से कोई पैसा नहीं कमा सकते। सहज योग में किसी भी प्रकार की व्यवसायिक गतिविधियां नहीं हो सकतीं.....

*सर्वप्रथम, हम, किसी भी समय, किसी भी प्रकार की व्यवसायिक गतिविधियों में लिप्त नहीं हो सकते, और यदि आपने ऐसी कोशिश भी की, तो उसे मैं देख लूंगी, कि आप पूर्ण रूप से नष्ट हो जाएं। **अतः, सहज योग के नाम पर कोई भी व्यवसाय प्रारंभ नहीं किया जाना चाहिए।"***

Christmas Puja talk. Surbiton (UK), 21 November 1983.

अनुच्छेद प्रथम में,श्री माता जी के प्रवचनों के वे उद्धरण हैं,जिनमें,सहज योग गतिविधियों के लिए वसूले जाने वाले पैसे जाने वाले पैसे,एवं सहज योग के व्यवसायीकरण के विरोध में कहा गया है।

श्री माता जी की शिक्षाओं के अनुरूप सीसीआई के घोषणापत्र(चार्टर) के अनुच्छेद 3 में उल्लिखित है "**व्यवसायीकरण सहज योग का सबसे बुरा शत्रु है**"तथा इसी घोषणापत्र के अनुच्छेद 6 में कहा गया है कि "**किसी भी तरीके/प्रकार से,सहज योग का व्यवसायीकरण नहीं होना चाहिए।**" (सीसीआई के उद्घोषणा पत्र/चार्टर, की संपूर्ण प्रति के लिए देखें www.syccindia.org).

हमारे संज्ञान में यह बात आई है,कि कई सहजयोगी समूह/संस्थाएं सहज योग के उपरोक्त मूलभूत सिद्धांत का पालन न करते हुए,सहज योग के प्रवचनों एवं सामग्रियों का इस्तेमाल/प्रयोग,धन अर्जित करने के लिए करते हैं। इस संप्रेषण/पत्राचार द्वारा हम सहज योग के व्यवसायीकरण के विषय में चर्चा करेंगे।

Her Holiness Mataji Shree Nirmala Devi
(Founder of Sahaja Yoga)

communications@syccindia.org

सहजयोगियों के आध्यात्मिक उत्थान को गति देने के उद्देश्य को,प्राथमिकता देते हुए, इस समय भी,सहज योग सामग्री नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती है। कई योगियों/संस्थाओं ने,नि:शुल्क उपलब्ध सहज सामग्री/वीडियो को,अपने यूट्यूब चैनलों पर डाल दिया है। इन यूट्यूब चैनलों की दर्शकों की बढ़ती हुई संख्या,और इन पर सहजयोगियों की उपस्थिति ने,कई विज्ञापन एजेंसियों को आकर्षित किया है,जिन्होंने इन चैनलों पर अपने विज्ञापन डाले हैं,और कुछ सहजयोगी,एवं संस्थाओं ने,अवसर का लाभ उठाते हुए,सहज योग की इस नि:शुल्क उपलब्ध सामग्री को,पैसा कमाने का जरिया बना लिया है। सहज योग सामग्री का,इस प्रकार का व्यवसायीकरण,फेसबुक एवं अन्य सोशल मीडिया जैसे मंच/प्लेटफार्म पर भी दिखाई देता है। अगर,यह विज्ञापन, उनकी जानकारी के बिना,या अनजाने में निर्गत कर दिए गए हों, तो सहजयोगियों/ संस्थानों को सलाह दी जाती है,कि वे,इन्हें,सहजयोग की सामग्रियों से हटा दें।

सहज योग सामग्री से धन कमाने वाले सहजयोगियों एवं संस्थाओं से हमें निम्न प्रश्न पूछने हैं:-

1. क्या उनके द्वारा प्रयुक्त सहज योग सामग्री के लिए भुगतान किया गया था? क्या यह निशुल्क नहीं था?
2. सहज योग सामग्री में विज्ञापनों को डालकर,पैसा कमा कर,क्या उन्होंने सहज योग का व्यवसायीकरण नहीं कर दिया?
3. क्या यह कार्य श्री माताजी की मूलभूत शिक्षाओं का उल्लंघन नहीं है?

सीसीआई ऐसा मानती है,कि सहज योग के,इस प्रकार के,खुलेआम/जबरदस्त **व्यवसायीकरण के,चलते रहने/जारी रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती।** हम सहयोग सामग्री को, व्यक्तिगत धन लाभ के लिए प्रयोग किए जाने वाले यूट्यूब चैनल,और सोशल मीडिया को यह सलाह देते हैं,कि वे इन क्रियाकलापों से विरत हो जाएं/इन्हे छोड़ दें। यदि,यह बंद नहीं किया जाता है,तो सीसीआई इन यूट्यूब चैनल/सोशल मीडिया मंच और इसके साथ ही साथ जिम्मेदार व्यक्तियों और संस्थाओं को बेनकाब करने को बाध्य होगी। साथ ही सहजयोगियों और सहज समूहों को,इन यूट्यूब चैनल्स एवं सोशल मीडिया चैनलों का अवलोकन,नहीं करने/नहीं देखने,की सलाह दी जाती है।

अध्यात्मिकता के पूरे इतिहास में,सहज योग,मनुष्य को दिया जाने वाला,सबसे बड़ा उपहार एवं आशीर्वाद है। हम अत्यधिक भाग्यशाली एवं आशीर्वादित हैं, कि हमने इसे,विशुद्ध रूप से,श्री माताजी के प्रेम से,पूर्णत: नि:शुल्क प्राप्त किया है। इसलिए सहज योग का व्यवसायीकरण, बिल्कुल न्याय संगत नहीं है, और यह सहज योग के वास्तविक स्वरूप को नीचा दिखाने जैसा है। हम सभी को यह परामर्श देते हैं,कि सहज योग के व्यवसायीकरण या किसी भी रूप में सहजयोग के अनुचित/गलत प्रयोग से बचें। सहज योग के इस मौलिक सिद्धांत से,किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता।सहजयोगियों के लिए मार्ग भी लक्ष्य जितना ही महत्वपूर्ण है।

सीसीआई भविष्य में भी सहजयोग के व्यवसायीकरण के अन्य स्वरूपों से संबंधित पत्राचार करती रहेगी।

सेंट्रल कमेटी ऑफ इंडिया (सीसीआई) के समस्त सदस्य

जून 28, 2020

Her Holiness Mataji Shree Nirmala Devi
(Founder of Sahaja Yoga)

communications@syccindia.org

अनुच्छेद-I

परम पूजनीय श्री माताजी श्री निर्मला देवी के प्रवचनों के कुछ सार/उद्धरण (व्यवसायीकरण एवं धन वसूलने के संबंध में)

"हमें,सर्वप्रथम अवश्य जान लेना है,कि हम सहज योग में,किसी भी प्रकार से भी,पैसा नहीं कमा सकते/धन अर्जन नहीं कर सकते।सहज योग में किसी भी प्रकार की व्यवसायिक गतिविधि नहीं हो सकती..... सर्वप्रथम,हम,किसी भी समय,किसी भी प्रकार की व्यवसायिक गतिविधियों में लिप्त नहीं हो सकते,और यदि आपने ऐसी कोशिश भी की,तो उसे मैं देख लूंगी, कि आप पूर्ण रूप से नष्ट हो जाएं। अत:, सहज योग के नाम पर कोई भी व्यवसाय प्रारंभ नहीं किया जाना चाहिए।"

Christmas Puja talk. Surbiton (UK), 21 November 1983.

https://www.amruta.org/1983/11/21/pre-christmas-talk-london/

"कुछ ऐसे लोग हैं,जो सहज योग, सहज योग के धन का दुरुपयोग एवं कई बार सहज योगियों का शोषण भी करते हैं। ऐसे लोग बहुत ही अमंगल/अशुभ हो जाते हैं। जो कोई भी इस प्रकार के कार्य करेगा,वह निरादर के साथ सहयोग से बाहर चला जाएगा। परंतु किसी को भी ऐसे व्यक्ति के पास,न तो जाना चाहिए, न उससे कुछ लेना-देना रखना चाहिए और न ही,उसके साथ कोई सहानुभूति रखनी चाहिए।क्योंकि यह अशुभता,किसी को भी,किसी भी सीमा/हद तक हानि/नुकसान पहुंचा सकती है,अतः ऐसे लोगों से दूर रहना ही श्रेयस्कर/बेहतर होगा।"

Shri Ekadasha Rudra Puja. Faggeto Lario, Como (Italy), 16 September 1984.

https://www.amruta.org/1984/09/16/shri-ekadesha-rudra-puja-como-1984/

"पिछली बार,मैंने आप लोगों को बताया था,कि आप परमात्मा को पैसे से नहीं खरीद सकते,आप पैसा नहीं दे सकते। आप,अपने साक्षात्कार के लिए पैसा नहीं दे सकते,परमात्मा का व्यवसायीकरण किसी के भी द्वारा नहीं किया जा सकता; चाहे वह चर्च हो,या कुछ और,आप इसका व्यवसायीकरण नहीं कर सकते। यह नि:शुल्क होना ही होगा,क्योंकि प्रत्येक वस्तु,जो दिव्य/दैवीय है,वह नि:शुल्क है।"

Public Programme, Kuala Lumpur, Malaysia, March 23rd, 1983

https://www.amruta.org/1983/03/23/public-program-kuala-lumpur-malaysia-1983/

"परंतु,कुंडलिनी जागरण की क्रिया का कोई भी व्यवसायीकरण नहीं कर सकता, आप इसे खरीद नहीं सकते।"

Public Program. Hampstead, London (UK), 6 June 1980.

https://www.amruta.org/1980/06/06/why-are-we-here-hampstead-1980/

"कुछ लोगों ने,कुंडलिनी योग का व्यापार प्रारंभ करने का दुस्साहस किया है; कुंडलिनी जागरण कोई व्यवसायिक क्रिया नहीं है,यह नहीं है,यह एक जीवंत क्रिया है।आप इसका व्यवसायीकरण नहीं कर सकते।आप इसका भुगतान कर ही नहीं सकते।"

Public Program at Maccabean Hall. Sydney (Australia), 22 March 1981.

https://www.amruta.org/1981/03/22/talk-at-the-maccabean-hall-sydney-1981/

"मैंने यहां कुछ लोगों को आत्मसाक्षात्कार दिया,और वह काफी विचित्र थे,उन्होंने चैतन्य लहरियों के लिए लोगों से कीमत वसूलनी शुरू कर दी।आप कल्पना कीजिए? यह,उन्हें,बिना किसी भी प्रकार के भुगतान के प्राप्त हुआ,परंतु उन्होंने,इसके लिए लोगों से पैसा वसूलना शुरू कर दिया,और वे जब भारत आए,तो हमने पाया,कि उन्होंने अपनी चैतन्य लहरियों को खो दिया था,उनसे बहुत गर्मी निकल रही थी,और हमने उन्हें बताया कि आप इसके लिए पैसा नहीं ले सकते। आप कैसे लेते हैं? उसने कहा"हम कैसे जीवित रहें?'मैंने कहा "आप पहले कैसे जीते थे? वैसे ही रहिए।"हम लोग विद्यालय में शिक्षक थे, हम थे...."तो मैंने कहा "वही करो"आप इन चैतन्य लहरियों के लिए पैसा नहीं ले सकते; यह दैवीय हैं,यह प्रेम है,आप पैसा नहीं ले सकते-/आप कैसे इसे बेच सकते हैं?क्या आप ऐसा कर सकते हैं?क्या आप अपना प्रेम बेच सकते हैं?"

Public Program Day 2. New York (USA), 21 September 1981.

https://www.amruta.org/1981/09/21/public-program-2-new-york-1981/

"अब,यह कोई व्याख्यान की तरह तो है नहीं, परिचयात्मक व्याख्यान,नि:शुल्क, और तब आप इसके लिए पैसा लेते हैं.....यह ऐसा नहीं है,आपसे कोई पैसा नहीं लिया जाएगा,इस समस्त/सारे ज्ञान के लिए,आपसे कोई पैसा नहीं लिया जाएगा।"

Public Program. Brisbane (Australia), 17 April 1994.

https://www.amruta.org/1994/04/17/public-program-brisbane-1994/

"अब,बहुत लोगों को यह आश्चर्य होता है, कि मैं पैसा नहीं लेती।सबसे पहले,आप प्रेम के लिए,पैसा कैसे ले सकते हैं?यह प्रेम है,यह इतना स्वत: स्फूर्त है।मैं कुछ भी नहीं करती हूं,मैं तो बस आपके सामने खड़ी हूं,मैं कुछ भी नहीं कर रही हूं।यदि यह प्रेम सर्वत्र प्रवाहित हो रहा है,और यदि,आपको मेरी उपस्थिति के कारण,यह जागृति प्राप्त हो रही है,तो मैं कुछ नहीं कर रही हूं;यह आपका अपना है,जो कुछ भी है,आपका अपना है,यह कुंडलिनी आपकी अपनी है,इच्छा आपकी अपनी है;और यदि आप आत्म साक्षात्कार प्राप्त करते हैं,तो यह भी आपका अपना है।तो फिर किस बात का पैसा लिया जाए?"

Public programme, Unity Church. Houston (USA), 30 May 1986.

https://www.amruta.org/1986/05/30/public-program-houston-1986/

अब,आप देखिए,कि क्या जो लोग आने वाले हैं,उनसे आप पैसा लेती हैं?
श्री माताजी: "बिल्कुल नहीं,आप कैसे पैसा ले सकते हैं,आप प्रेम के लिए कैसे पैसा ले सकते हैं?यह अपमान है,लोग यही नहीं समझते हैं,कि जो दैवीय है,उसके लिए आप पैसा नहीं ले सकते,आप ले ही नहीं सकते।यह परमात्मा का अनादर है।"

H.H.Shri Mataji Nirmala Devi speaking to ABC Radio. Sydney, Australia, 15 March 1983

https://www.amruta.org/1983/03/15/abc-radio-interview/

प्रश्न:- फिर मैं यह पूछना चाहूंगा,कि उन लोगों का क्या,जो चक्रों के उपचार के लिए भारी कीमत वसूलते हैं।हो सकता है, कि उन लोगों के लिए कीमत,ज्यादा न हो,और वह लोगों की मदद हीं कर रहे हों, परंतु फिर भी,लोगों के पास इस तरह का पैसा कहां होता है?मैं आपसे पूछना चाहता हूं,कि उन लोगों के बारे में आप क्या सोचती हैं,जो चक्र चिकित्सा के लिए शुल्क वसूलते हैं?
श्री माताजी:- "मैं समझ नहीं पा रही कि आपको किन शब्दों में विश्वास दिलाउं। आत्म साक्षात्कार के बिना,किसी प्रकार की चक्र चिकित्सा कैसे हो सकती है?आप,क्यों इन बेवकूफों का विश्वास करते हैं?अब मेरे करने के लिए बचा ही क्या है?आप इन पर क्यों भरोसा करते हैं?मैं जानती तो नहीं,पर मुझे ऐसा लगता है,कि कोई साधारण भारतीय,इस चक्र चिकित्सा को नहीं समझ सकता।केवल एक संत हीं यह कर सकता है।उसे संत होना चाहिए,वह कैसे पैसा ले सकता है? वह,आपसे एक नया पैसा भी नहीं ले सकता।यह साधारण सी बात है,इसे समझने की चेष्टा/कोशिश करिए।"

Public Program Day 1. New York (USA), 19 September 1981.

https://www.amruta.org/1981/09/19/public-program-1-new-york-1981/

Her Holiness Mataji Shree Nirmala Devi
(Founder of Sahaja Yoga)

communications@syccindia.org

"लेकिन,अब,आप देखिए,मैं सोचती हूं कि लोगों को ऐसा लगता है,कि सहज योग में ही कोई दोष है,कि आप कोई भी पैसा नहीं लेती हैं।मुझसे पूछते रहते हैं,कि मैं पैसा क्यों नहीं लेती।मैंने अभी-अभी उन्हें बताया है,कि यह आपके विकास की जीवन्त प्रक्रिया है,जब,आप कोई बीज बोते हैं,तो यह बीज आपसे कितना पैसा लेता है,या माली बीज से क्या वसूलता है?इसका अंकुरण अपने आप होता है। इसकी यह शक्ति इसके अंदर हीं निहित है,इसी प्रकार यह शक्ति आप सब में भी निहित है।"

VIP Reception, 23 September, 2000

https://www.amruta.org/2000/09/23/vip-reception-forum-hotel-london/

पत्रकार: क्या आप बिल्कुल पैसे नहीं लेती हैं?
श्री माताजी: "बिल्कुल भी नहीं।मतलब मैं इसके लिए पैसा कैसे ले सकती हूं,यह प्रेम है,परमात्मा का प्रेम।मैं इसके लिए पैसा कैसे ले सकती हूं?"

TV Interview, October 21st, 1982, Plymouth, UK

https://www.amruta.org/1982/10/21/tv-interview-plymouth-1982-london-england/

"एक भारतीय भद्र पुरुष,जिसे मैंने अमेरिका में आत्म साक्षात्कार दिया था,उसने अपनी एक संस्था शुरू कर दी।आमतौर पर,भारतीय पैसा बनाने में माहिर होते हैं।उन्हें कहीं भी रख दें,वे पैसा बना हीं लेंगे।इस व्यक्ति ने पहले तो बड़ा अच्छा व्यवहार किया,फिर अपनी एक संस्था आदि प्रारंभ कर ली,और मुझे लिखा,"मैं सहज योग कर रहा हूं और मेरे पास काफी लोग आते हैं"उसने इसके लिए कुछ शुल्क आदि भी निर्धारित कर दिया।मुझे नहीं पता था,कि वह इसे कैसे चला रहा है।बेशक,आप खाने और रहने के लिए पैसा ले सकते हैं।लेकिन,जब वह आया- मुंबई के लोग बहुत ही संवेदनशील हैं- उन्होंने मुझे बताया,"मां,हम इस व्यक्ति के सानिध्य में मूर्छित हो रहे हैं,इसे क्या समस्या है?हम सब को चक्कर आ रहे हैं" मैंने कहा,"आप चिंता न करें,मैं पता लगाती हूं।"जब वह आया,तब मैंने पूछा, "क्या मैं तुम्हारी विवरणिका/ब्रोशर देख सकती हूं?"विवरणिका में उसने लिखा था," साधारण चैतन्य लहरियों के लिए के लिए $125,विशेष के लिए $280!" मैंने कहा,"महानुभाव,यह क्यों?"उसने कहा,"मां मैं कैसे जीवित रहूंगा?" मैंने कहा,"तुम क्या कर रहे थे?"उसने कहा,"मैं एक शिक्षक था।"मैंने कहा,"अपना शिक्षण कार्य जारी रखो,तुमने अपनी चैतन्य लहरियों के लिए मुझे कितना पैसा दिया था,कि तुम यह सब कर रहे हो?"उसने कहा," परंतु मैं कैसे जीवित रहूंगा?"और वह गुस्से से लाल हो गया। अब,"मैं तुमसे इस विषय में बात कर सकती हूं।तुम इसके लिए कोई पैसा नहीं ले सकते।"

"अतः साक्षात्कारी आत्माएं हैं। ऐसे लोग हैं, जो सहज योग के विषय में जानते हैं। लेकिन,वे यह भी जानते हैं कि इसे बेच नहीं सकते।यदि,आप इस प्रकार का कुछ भी करते हैं तो -समाप्त- आप तत्काल अपना चैतन्य खो देंगे। ये बहुत संवेदनशील, बहुत हीं संवेदनशील हैं। यदि आप अनभिज्ञ/अनजान हैं, तब तो ठीक है,वे बने रहेंगे,परंतु,यदि जानबूझकर आप ऐसा कुछ करते हैं,तो वे तुरंत गायब हो जाएंगे।"

"England has to become Jerusalem" Public Programme, Reading (England), 22 June 1982.

https://www.amruta.org/1982/06/22/public-program-reading-1982/

अनुच्छेद-II

यूट्यूब चैनल का नाम: ऑलेग द्याचैनको	
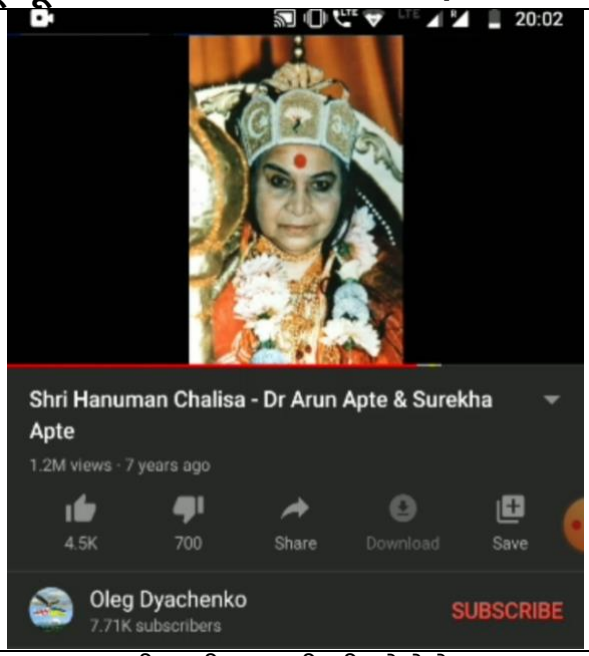	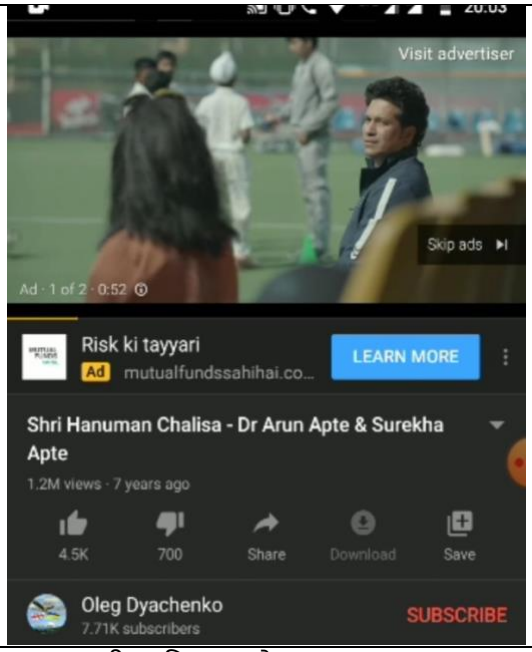
श्री हनुमान चालीसा-श्री माता जी की फोटो के साथ	श्री हनुमान चालीसा-विज्ञापन के साथ

यूट्यूब चैनल का नाम: कैलाश कुमार	
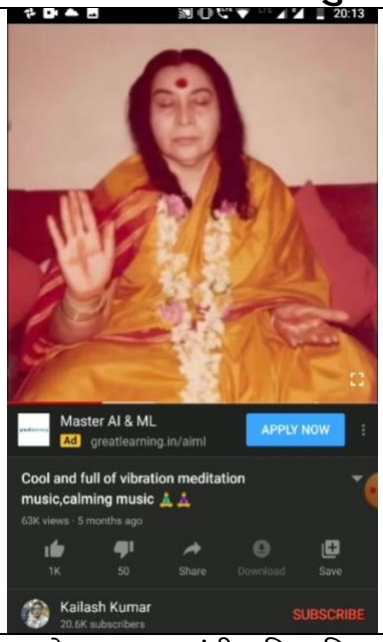	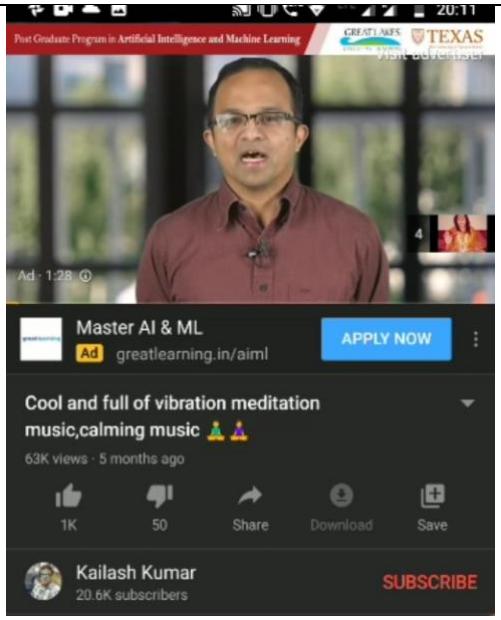
ठंढा एवं चैतन्य से भरा ध्यान संगीत-बिना विज्ञापन के	ठंढा एवं चैतन्य से भरा संगीत-बीच में विज्ञापन के साथ

यूट्यूब चैनल का नाम: News DNN

सहज योग-एक अनोखी खोज एवं मनुष्यता के लिए उपहार-बिना विज्ञापन के

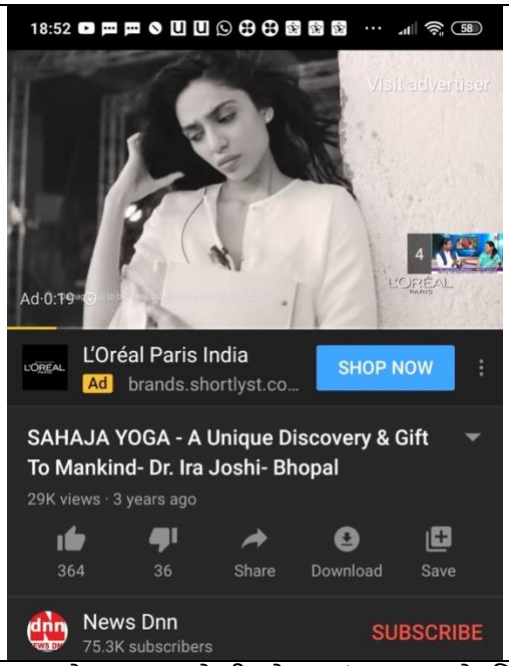

सहज योग-एक अनोखी खोज एवं मनुष्यता के लिए उपहार-विज्ञापन के साथ कार्यक्रम

यूट्यूब चैनल का नाम: कुंडलिनी जागरण

सहज योग कैसे करें-ध्वज(बैनर) विज्ञापन के साथ

सहज योग कैसे करें-कार्यक्रम के बीच में विज्ञापन के साथ

यूट्यूब चैनल का नाम: प्रतिष्ठान,पुणे, इंडिया

प्रातः ध्यान,24 जून 2020,बिना विज्ञापन के

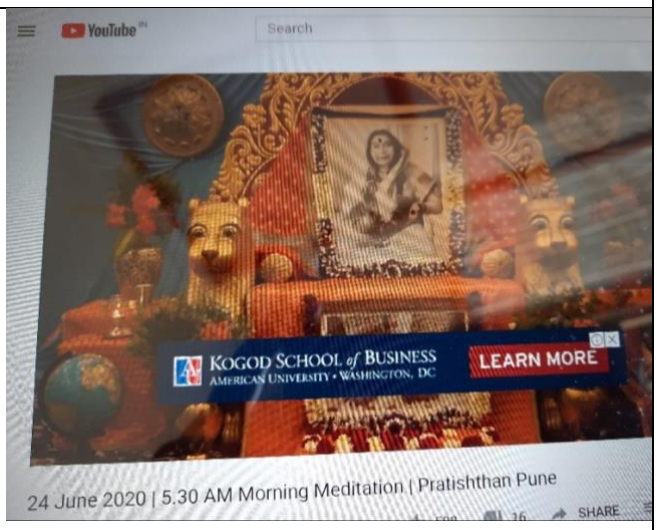

प्रातः ध्यान,24 जून 2020, ध्वज(बैनर) विज्ञापन के साथ

यूट्यूब चैनल का नाम: प्रतिष्ठान,पुणे, इंडिया

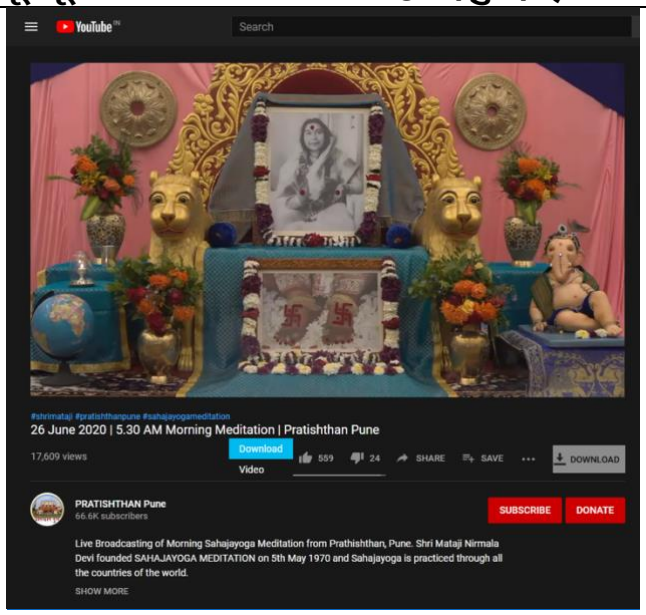

प्रातः ध्यान, 26 जून 2020,बिना विज्ञापन के

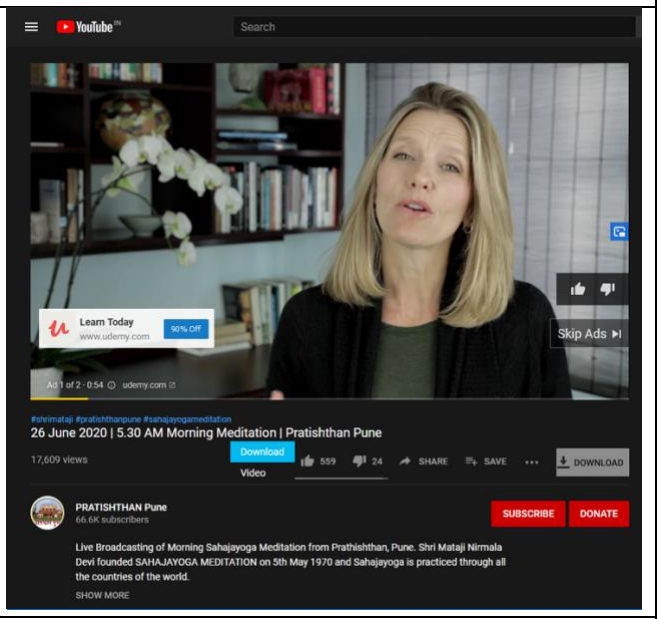

प्रातः ध्यान, 26 जून 2020,बीच में विज्ञापन के साथ

यूट्यूब चैनल का नाम: प्रतिष्ठान,पुणे, इंडिया	यूट्यूब चैनल का नाम: SY India
जल क्रिया पर कार्यशाला:विज्ञापन के साथ	कुंडलिनी जागरण कैसे करें: विज्ञापन के साथ

यूट्यूब चैनल का नाम: सहजयोग टीवी
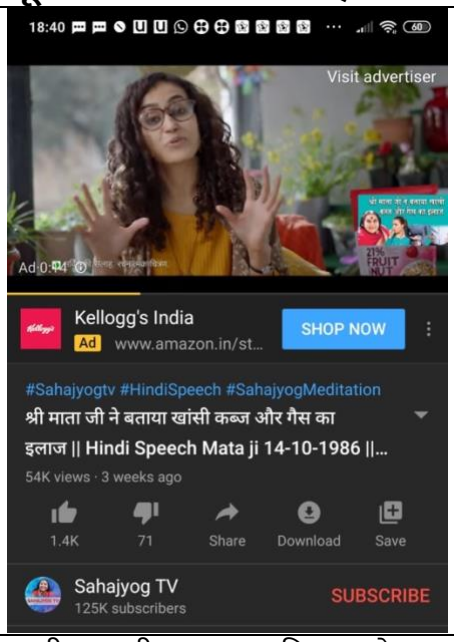
श्री माताजी का प्रवचन:विज्ञापन के साथ